हिंदी दैनिक खबर

हर पल, हमारी खबर

केशववाणी

गुरुवार 28 मई 2026 बर्ष 02 अंक 140 पृष्ठ 4

www.keshavtv24.com

Email:keshavtvbihar@gmail.com

अनमोल वचन

गिर कर भी जो उठ जाता है,वही असली विजेता कहलाता है। वक्त चाहे कितना भी सख्त हो,हौसला अगर पक्का हो, तो रास्ता भी अपना बनता हो।

पहले शाही स्नान में दो लाख से अधिक लोगों ने लगायी कुंडों में डुबकी

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। मलमास मेला के पहले शाही स्नान में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। ब्रह्मकुंड, सप्धारा, सूर्यकुंड और वैतरणी समेत अन्य कुंडों में दो लाख से अधिक लोगों ने श्रद्धा की डुबकी लगायी। रथों पर सवार होकर गाजे–बाजे के साथ स्नान करने साधु–संतों का जत्था पहुंचा। शाही स्नान में विभिन्न अखाड़ों और मठों के संत–महात्माओं ने भाग लिया। सिमरिया घाट के स्वामी चिदात्मनजी महाराज उर्फ फलाहारी बाबा भी अपने निवास स्थान से ब्रह्मकुंड तक शाही के पर गये। उनके अलावा अन्य संतों का जत्था भी शाही स्नान में शामिल हुए। परंपरा के अनुसार संतों ने सबसे पहले गुरुनानक कुंड में स्नान किया। इसके बाद सरस्वती नदी और सप्तधारा होते हुए मुख्य ब्रह्मकुंड में विशेष पूजा–अर्चना के साथ प्रथम शाही स्नान किया। वहीं शाही स्नान को देखते हुए आम लोगों के लिए दो बजे से ही कुंडों के द्वार खोल दिए गए थे। सुबह सात बजे से दिन के 11 बजे तक साधु–संतों के शाही स्नान किया। उसके बाद कुंडों को दोबारा से आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया।

मलमास का धार्मिक महत्व

पंडा कमेटी के प्रवक्ता सुधीर कुमार उपाध्याय बताते हैं कि राजगीर मलमास मेले का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व कुंभ के समान माना जाता है। मान्यता है कि हर तीसरे वर्ष आने वाले मलमास (अधिकमास) के दौरान 33 कोटि देवी–देवता एक महीने तक राजगीर में ही वास करते हैं। इस दौरान यहां पर स्नान करना काफी फलदायक व लाभकारी माना जाता है।

जदयू के नवनियुक्त सचेतकों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से की मुलाकात, जताया आभार

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट पटना। जनता दल (यूनाइटेड) के नवनियुक्त सचेतकों ने बिहार के मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार से मुलाकात कर उनका आभार व्यक्त किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी सचेतकों को जनसेवा से जुड़कर आम लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का समाधान और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाना होना चाहिए। उन्होंने सभी नवनियुक्त सचेतकों से संगठन और सरकार की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने का आग्रह किया।इस अवसर पर बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास एवं सूचना जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार, मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी तथा विधान पार्षद ललन सर्राफ सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक के दौरान संगठन की मजबूती, जनसंपर्क अभियान और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर भी चर्चा की गई। नेताओं ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहार में हो रहे विकास कार्यों की सराहना की।

खेल अवसंरचना के सुदृढ़ संचालन और विशेषज्ञ आधारित विकास पर खेल मंत्री का जोर

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट पटना। बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने बुधवार को विकास भवन स्थित खेल विभाग में विभागीय योजनाओं एवं खेल अवसंरचना विकास की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में खेल विभाग के सचिव विनोद सिंह गुंजियाल, निदेशक आरिफ अहसन, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण (बीएसएसए) के महानिदेशक रवीन्द्रन शंकरण सहित विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के मार्गदर्शन के अनुरूप राज्य में निर्मित खेल परिसरों के प्रभावी संचालन, रखरखाव एवं उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। खेल मंत्री ने कहा कि जिला खेल भवन, स्टेडियम, व्यायामशाला एवं अन्य खेल परिसरों को केवल निर्माण तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि उन्हें खिलाड़ियों के लिए लगातार सक्रिय और उपयोगी बनाया जाएगा। इसके लिए पीपीपी मॉडल और सीएसआर सहयोग के माध्यम से खेल परिसरों के संचालन की दिशा में विभाग कार्य करेगा। मंत्री ने कहा कि खेल अवसंरचनाओं के संचालन के लिए विस्तृत दिशा–निर्देश एवं एसओपी तैयार किए जाएंगे, ताकि जिला स्तर पर खेल परिसंपत्तियों का दीर्घकालिक एवं प्रभावी मॉडल विकसित हो सके। भविष्य में इस व्यवस्था को बड़े स्टेडियमों और अन्य खेल परिसरों तक भी विस्तारित किया जाएगा। बैठक में राज्य की विभिन्न खेल संघों को खेल अवसंरचना संचालन एवं प्रशिक्षण गतिविधियों से जोड़ने पर भी बल दिया गया। मंत्री ने निर्देश दिया कि जिला स्तर पर प्रशिक्षण केंद्र संचालित किए जाएं तथा खिलाड़ियों को आवश्यक खेल उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि खेल संघों की भागीदारी से राज्य की खेल परिसंपत्तियों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा।

खेल मंत्री ने स्पष्ट किया कि अब नए पंचायत स्तरीय खेल मैदानों के निर्माण के बजाय पहले से उपलब्ध खेल परिसरों को सुदृढ़ और सक्रिय बनाने पर प्राथमि. कता दी जाएगी। इसके लिए स्थानीय विधायक, खेल विशेषज्ञ एवं जिला खेल पदाधिकारी की सहभागिता से समितियों का गठन किया जाएगा। बैठक के दौरान राज्य के ऐतिहासिक खिलाड़ियों एवं पदक विजेताओं के सम्मान में स्टेडियम, खेल भवन एवं अन्य खेल परिसरों का नामकरण करने का भी निर्णय लिया गया। विभाग द्वारा ऐसे खिलाड़ियों की सूची तैयार की जा रही है, जिनके नाम पर खेल अवसंरचनाओं का नाम रखा जाएगा। मंत्री ने कहा कि ब्लॉक एवं जिला स्तर पर बनने वाली खेल अवसंरचनाएं खेल विशेषज्ञों एवं अनुभवी स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर सलाहकारों की निगरानी में विकसित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सामान्य भवनों की तरह तैयार संरचनाएं खिलाड़ियों एवं प्रतियोगिताओं की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं होतीं। बैठक में बिहार राज्य खेल प्राधिकरण (बीएसएसए) के महानिदेशक रवीन्द्रन शंकरण ने राजगीर में स्पोर्ट्स साइंस सेंटर, ओलंपिक ट्रेनिंग सेंटर एवं नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की तैयारियों की जानकारी दी।

साथ ही आगामी खेल कैलेंडर भी मंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया गया। खेल मंत्री ने राज्य में संचालित एवं बंद हो चुके सभी एकलव्य केंद्रों की विस्तृत रिपोर्ट मांगी तथा उनके बंद होने के कारणों का अभिलेखीकरण करने का निर्देश दिया। बैठक में खेल विभाग, बीएसएसए, बिहार खेल प्राधिकरण (बीएसए), बिहार राज्य विश्वविद्यालय खेल परिषद (बीएसयूआर) एवं जिला खेल कार्यालयों को आवंटित निधियों के प्रभावी एवं पारदर्शी उपयोग पर भी चर्चा हुई। मंत्री ने कहा कि योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से खिलाड़ियों तक पहुंचना चाहिए और सभी इकाइयों को परिणामोन्मुख कार्यप्रणाली अपनानी होगी। समीक्षा बैठक में बिहार खेल विश्वविद्यालय का दौरा कर वहां अध्ययनरत छात्रों की प्रगति का अवलोकन करने का भी निर्णय लिया गया। खेल मंत्री के नेतृत्व में विभागीय अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल अगले सप्ताह विश्वविद्यालय का दौरा कर सकता है। इसके अलावा जिला खेल पदाधिकारियों की नियुक्ति को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया गया। बिहार लोक सेवा आयोग के माध्यम से 38 पदों पर होने वाली नियुक्तियों को जिला स्तर पर खेल योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण बताया गया।

बकरीद को लेकर नालंदा प्रशासन अलर्ट जिलेभर में निकाला गया फ्लैग मार्च

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। ईद–उल–अदहा (बकरीद) पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर नालंदा जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। जिलाधिकारी कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार बुधवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान लोगों से आपसी भाईचारा, शांति और सौहार्द बनाए रखते हुए पर्व मनाने की अपील की गई। प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने आमजन से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को देने का आग्रह किया।प्रशासन के अनुसार इस वर्ष ईद–उल–अदहा (बकरीद) का पर्व 28 मई 2026 से 30 मई 2026 तक मनाए जाने की संभावना है। इसे लेकर जिलेभर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन का कहना है कि बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं व्यवस्थित वातावरण में संपन्न कराना उनकी पहली प्राथमिकता है। इसके लिए संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है तथा पुलिस बल की तैनाती भी बढ़ाई गई है।

अपने क्षेत्र के खबर भेजने या विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
7033325120,9931609015

हाईवे पर अवैध अतिक्रमण और पार्किंग के खिलाफ चलेगा अभियान, डीएम–एसपी ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट
बिहारशरीफ(नालंदा)। राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा को लेकर नालंदा जिला प्रशासन अब पूरी तरह सख्त नजर आ रहा है। जिलाधिकारी कुंदन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भारत सोनी की संयुक्त अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें हाईवे पर अवैध अतिक्रमण, अवैध पार्किंग और सड़क सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में परिवहन विभाग, बिहार सरकार एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन को लेकर अधिकारियों को कई अहम दिशा–निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर अवैध अतिक्रमण, अनधिकृत व्यवसाय और अवैध पार्किंग सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बन रहे हैं। ऐसे मामलों में अब किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समीक्षा बैठक के दौरान जिला. धिकारी ने 12 सदस्यीय "संयुक्त समर्पित रा. जमार्ग निगरानी दल" के गठन की घोषणा की। यह दल नियमित रूप से हाईवे क्षेत्रों का निरीक्षण करेगा तथा सड़क सुरक्षा से संबंधित मामलों की प्रभावी मॉनिटरिंग करेगा। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग सुरक्षा क्षेत्र में बिना एनएचएआई या लोक निर्माण विभाग की पूर्व अनुमति के किसी भी प्रकार का

लाइसेंस, एनओसी अथवा व्यापारिक अनुमति जारी नहीं की जाएगी। पूर्व में जारी सभी अनुमतियों की 30 दिनों के भीतर समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा हाईवे किनारे स्थित अवैध संरचनाओं को 60 दिनों के भीतर हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। अवैध प्रवेश एवं निकास मार्गों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी, वहीं बिना अनुमति संचालित प्रतिष्ठानों और व्यवसायों की भी जांच होगी। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा से संबंधित माननीय न्यायालय एवं सरकार द्वारा जारी सभी निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। निगरानी दल प्रत्येक माह निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट जिला पदाधिकारी कार्यालय को सौंपेगा। साथ ही आवश्यकतानुसार विशेष अभियान भी चलाए जाएंगे। बैठक में नगर निकायों, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिक. ारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित पदाधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर अपर समाहर्ता, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय/यातायात), जिला परिवहन पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता तथा नेशनल हाईवेज अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (एनएचएआई) के प्रतिनिधि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

विश्व का इकलौता मलमास मेला लगता है राजगीर में – फलाहारी बाबा

अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। विश्व का इकलौता मलमास मेला सिर्फ राजगीर की पावन धरती पर लगता है। इसके आह्वान के साथ हीं 33 कोटि देवी देवता यहां बास करने लगते हैं। ऐसे में सनातनी परंपरा के अनुसार अगले 15 जून तक राजगीर को छोड़कर देश दुनिया में कहीं भी शुभ और मांग. लिक कार्य नहीं किए जाते। ये बातें स्वामी चि. दात्मन जी महाराज उर्फ फलाहारी बाबा ने अपने प्रवचन में गढ़ महादेव मंदिर के पास कही। उन्होंने कहा कि राजगीर में मलमास मेले का आयोजन वैदिक काल से चला आ रहा है। पुराणों के अनुसार स्वयं विश्व के रचयिता भगवान ब्रह्मा ने राजगीर में ब्रह्म कुंड 22 कुंड और 52 जलधाराओं की स्थापना की थी। सनातन धर्म की पौराणिक मान्यताओं के अनुसार मलमास अधिमास मेले के इस विशेष अवधि के दौरान ब्रह्मांड के सभी 33 कोटि देवी देवता राजगीर में ही निवास और विचरण करते हैं। यही कारण है कि देश–विदेश से करोड़ों श्रद्धालु और साधु संत यहां खिंचे चले आते हैं। वहीं मलमास मेला में गढ़ महादेव मंदिर के पास प्रत्येक पुरुषोत्तम मास मेले के अवसर पर स्वामी चिनात्मन जी महाराज उर्फ फलाहारी बाबा का प्रवचन एवं भंडारा का आयोजन किया जा रहा है। काफी संख्या में भक्त श्रद्धालु लोग भक्ती वातावरण का लाभ उठा रहे हैं।

रालोमो के जिलाध्यक्ष बने सोनू कुशवाहा, सर्वसम्मति से हुआ चयन

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट
बिहारशरीफ(नालंदा)। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के जिलाध्यक्ष पद को लेकर बिहारशरीफ स्थित एक मैरिज हॉल में संग. ठनात्मक चुनाव का आयोजन किया गया। चुनाव प्रक्रिया के लिए प्रदेश नेतृत्व की ओर से मनोज कुशवाहा को प्रभारी बनाकर भेजा गया था। उनकी देखरेख में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से सोनू कुशवाहा को पुनः पार्टी का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया। जिलाध्यक्ष पद पर दोबारा चयन होने के बाद कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी का माहौल देखने को मिला। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फूल–मालाओं के साथ सोनू कुशवाहा का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने और आगामी राजनी. तिक रणनीति को लेकर भी चर्चा की गई।
नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष सोनू कुशवाहा ने पार्टी नेतृत्व एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है, उसका निर्वहन पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन को गांव और बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा तथा समाज के सभी वर्गों को

जोड़कर संगठन का विस्तार किया जाएगा।उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य समाज में एकता और भाईचारा कायम रखना है। सभी कार्यकर्ता मिलकर पार्टी को मजबूत बनाने का कार्य करेंगे। साथ ही युवाओं और पिछड़े वर्गों को संगठन से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जाएगा। इस मौके पर मौजूद पार्टी नेताओं ने विश्वास जताया कि सोनू कुशवाहा के नेतृत्व में नालंदा जिले में राष्ट्रीय लोक मोर्चा और अधिक मजबूत होकर उभरेगी।

दस वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के प्रयास का मामला, आरोपी गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

अनुमंडल गुड्डु कुमार की रिपोर्ट
कतरीसराय (नालंदा)। कतरीसराय थाना क्षेत्र के एक गांव में दस वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद इलाके में आक्रोश का माहौल है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। इस संबंध में पीड़ित के पिता ने स्थानीय थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। आवेदन में कहा गया है कि गांव के ही 55 वर्षीय राधे राम बच्ची को बहला फुसलाकर खंधा (बधार) की ओर ले गया और उसके साथ गंदी हरकत करने लगा। इसी दौरान बच्ची को खोजते हुए उसकी मां वहां पहुंच गई । आरोपी कि हरकत देखते ही उसने शोर मचाया। जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बच्ची को बचाया। ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़ कर पुलिस को सूचना दी। इस संबंध में थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि मामले कि जांच में आरोप सही पाया गया है। पीड़ित के पिता के लिखित आवेदन के आधार पर आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेज दिया है।

बकरीद पर्व को लेकर नालंदा प्रशासन अलर्ट, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को दिया गया आवश्यक दिशा–निर्देश

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट
बिहारशरीफ(नालंदा)। ईद–उल–अदहा (बकरीद), 2026 पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर बुधवार को नालंदा जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय नजर आया। इसी क्रम में आज दिनांक 27 मई 2026 को जिलाधिकारी श्री कुंदन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक श्री भारत सोनी की संयुक्त अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरीय प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक ब्रीफिंग दी गई। बैठक में आगामी ईद–उल–अदहा (बकरीद) पर्व, जो 28 मई से 30 मई 2026 तक मनाए जाने की संभावना है, के दौरान विधि–व्यवस्था, शांति व्यवस्था एवं सुरक्षा तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि अपने–अपने क्षेत्रों में लगातार सतर्क निगरानी बनाए रखें तथा संवेदनशील एवं अति संवेदनशील स्थलों पर विशेष चौकसी बरतें। जिलाधिकारी श्री कुंदन कुमार ने कहा कि पर्व के दौरान शांति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहने, अफवाहों पर नजर रखने एवं सोशल मीडिया की निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना या अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं पुलिस बल को निर्देश दिया कि ईद–उल–अदहा (बकरीद) पर्व के अवसर पर अपने–अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से फ्लैग मार्च करें, ताकि आम लोगों में सुरक्षा एवं विश्वास का माहौल बना रहे और शांति व्यवस्था कायम रखी जा सके। वहीं पुलिस अधीक्षक श्री भारत सोनी ने सभी पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था, लगातार गश्ती एवं किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संवेदनशील इलाकों में पैदल एवं वाहन गश्ती लगातार जारी रहेगी तथा किसी भी अप्रिय घटना पर तत्काल नियंत्रण सुनिश्चित किया जाएगा। प्रशासन की ओर से जानकारी दी गई कि 28 मई से 30 मई 2026 तक जिला नियंत्रण कक्ष नालंदा समाहरणालय के हरदेव भवन में स्थापित किया गया है। इसका टॉल–फ्री नंबर 18003456323 जारी किया गया है। नियंत्रण कक्ष से 24 घंटे पूरे जिले की गतिविधियों की निगरानी की जाएगी। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि शांति व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वाले असामा. जिक एवं सांप्रदायिक तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों में पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। इस अवसर पर नगर आयुक्त, नगर निगम बिहारशरीफ, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मोइनुल हक स्टेडियम के पुनर्विकास एवं परिसर खाली कराने की प्रक्रिया तेज, खेल सचिव ने की समीक्षा बैठक

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट पटना। खेल विभाग के सचिव श्री विनोद सिंह गुंजियाल की अध्यक्षता में तथा जिला पदाधिकारी, पटना श्री त्यागराजन एवं नगर पुलिस अधीक्षक (सेंट्रल) सुश्री दीक्षा की उपस्थिति में आज विकास भवन, पटना में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बिहार क्रिकेट संघ (बीसीए), पटना मेट्रो परियोजना तथा भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र, पटना के प्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य विषय मोइनुल हक स्टेडियम से संबंधित विभिन्न लंबित एवं आवश्यक विषयों की समीक्षा करना था। बैठक में बिहार क्रिकेट संघ द्वारा मोइनुल हक स्टेडियम से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। बिहार क्रिकेट संघ ने स्टेडियम के विकास एवं निर्माण कार्य को पूर्ण करने के लिए लगभग तीन वर्ष की समय–सीमा निर्धारित किए जाने की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त, खेल सचिव श्री विनोद सिंह गुंजियाल ने बिहार क्रिकेट संघ को भविष्य में बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी को ध्यान में रखते हुए अग्रिम रूप से भीड़ प्रबंधन की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्टेडियम की पूर्ण क्षमता लगभग 40,000 दर्शकों की होगी, इसलिए सभी व्यवस्थाओं की योजना उसी अनुरूप बनाई जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मोइनुल हक स्टेडियम राज्य की सबसे महत्वपूर्ण खेल अवसं. रचना परियोजनाओं में से एक है तथा इसके संचालन एवं आयोजन प्रबंधन के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक होगा। स्टेडियम परिसर में वर्तमान में संचालित भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र को अन्य स्थान पर स्थान. ांतरित किए जाने पर भी चर्चा हुई। इस संबंध में बिहार सरकार एवं के बीच एक नया समझौता ज्ञापन किए जाने पर सहमति बनी। भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र से जुड़े 42 खिलाड़ियों/विद्यार्थियों को पटना में ही अन्य उपयुक्त खेल सुविधाओं में स्थानांतरित किया जाएगा, ताकि उनके प्रशिक्षण एवं खेल गतिविधियों पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।बैठक में परिसर को खाली कराने से संबंधित विभिन्न विषयों की भी समीक्षा की गई। पटना मेट्रो परियोजना के अधिकारियों ने जानक. ारी दी कि उनके उपकरणों को स्टेडियम परिसर से हटाने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है तथा संबंधित क्षेत्र बिहार क्रिकेट संघ को उपलब्ध करा दिया गया है। मोइनुल हक स्टेडियम परिसर में संचालित थाना को भी अन्य स्थान पर स्थानांत. रित किए जाने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा हुई। इस संबंध में जिला पदाधिकारी, पटना श्री त्यागराजन ने जानकारी दी कि थाना के स्थायी स्थानांतरण को स्वीकृति एवं प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त हो चुका है। साथ ही, परिसर खाली कराने की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने के लिए अस्थायी व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि थाना को अंतरिम रूप से स्थानांतरित किया जा सके और बिहार क्रिकेट संघ स्टेडियम परिसर में विध्वंस कार्य एवं आगे की विकास प्रक्रिया प्रारंभ कर सके। खेल सचिव ने खेल विभाग के अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल को स्थल का दौरा करने का निर्देश भी दिया, ताकि परिसर खाली कराने की प्रक्रिया की प्राथमिकता के आधार पर निगरानी सुनिश्चित की जा सके तथा सभी संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर समयबद्ध कार्रवाई की जा सके। बैठक में सभी संबंधित पक्षों ने समन्वित रूप से कार्य करते हुए मोइनुल हक स्टेडियम के विकास एवं खेल अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। यह भी स्पष्ट किया गया कि राज्य सरकार इस परियोजना को बिहार की प्रमुख खेल अवसंरचना पहलों में से एक के रूप में आगे बढ़ा रही है, जिससे भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजनों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

हरनौत में निर्माणधीन नये प्रखंड सह अंचल कार्यालय के भवन में 40 फिसदी कार्य पूर्ण, 12.25 करोड़ की लागत से हो रहा है निर्माण

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत (नालंदा)। हरनौत प्रखंड मुख्यालय परिसर में 12.25 करोड़ रुपए की लागत से नए प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवन का निर्माण कार्य जोर–जोर से चल रहा है। बिहार सरकार के भवन निर्माण विभाग द्वारा यह अत्याधुनिक भवन बनाया जा रहा है, जिसका लक्ष्य प्रशासनिक ढांचे को सुदृढ़ करना है। वहीं साइट इंजीनियर अमन कुमार ने बताया कि भवन निर्माण विभाग (बीसीडी) द्वारा यह नया प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवन तीन मंजिला (जी प्लस टू) हो रहा है और इसमें चारदीवारी का कार्य भी शामिल है। इसमें विभिन्न प्रखंड स्तरीय कार्यालय एक ही छत के नीचे संचालित होंगे।उन्होंने बताया कि नया भवन करीब एक एकड़ भूमि में बनाया जा रहा है, जिसकी लंबाई 70मी और चौड़ाई 55 मी है। मेसर्स प्रसाद कंस्ट्रक्शन एंड कंपनी को इसे 12 महीने में पूरा करने का लक्ष्य है। जबकि बीते दिसंबर माह में यह कार्य शुरू है।यह फ्रेम स्ट्रक्चर गवर्नमेंट ऑफिशियल बिल्डिंग बनाई जा रही है।जिसमें 80 फिसदी फ्रेम स्ट्रक्चर संबंधित कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जबकि ऑल ओवर कार्य 40 फिसदी।इसमें फ्लाई ऐश ब्रिक का प्रयोग किया जा रहा है। तकरिबन सौ मजदूर चार सूपरवा. ईजर के अंडर में कार्य कर रहे हैं। इसमें ग्राउंड फ्लोर पर प्रमुख,उप प्रमुख सहित बीडीओ,सीओ, सर्किल इंस्पेक्टर,नाजिर आदि कक्ष रहेंगे।बाकि पदाधिकारीगण ऊपर विभिन्न तल्ला पर स्थित कक्ष में बैठेंगे।इसके लिए लिफ्ट (पोर्टिको स्थित प्रवेश द्वार के पास)तथा सीढ़ी की व्यवस्था रहेगी।

56 लाख से 28 लाख पर पहुंचा टेंडर, आखिर किसे मिला फायदा? बिहारशरीफ में मचा बवाल सरकार को करोड़ों का नुकसान : समाजसेवी संजय सिन्हा ने टोल टैक्स टेंडर पर उठाए गंभीर सवाल

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट बिहारशरीफ(नालंदा)। बिहारशरीफ नगर निगम में टेम्पो और ई–रिक्शा टोल टैक्स की वसूली को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। एक तरफ बिहार सरकार राजस्व बढ़ाने और विकास कार्यों को गति देने की बात कर रही है, वहीं दूसरी तरफ बिहारशरीफ नगर निगम में टोल टैक्स ठेका प्रक्रिया और वसूली व्यवस्था को लेकर कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि वर्ष 2026–27 के लिए टेम्पो एवं ई–रिक्शा टोल टैक्स का ठेका पिछले वर्ष की तुलना में लगभग आधी राशि पर दे दिया गया, जबकि वाहन संख्या और वसूली की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इस पूरे मामले को लेकर स्थानीय लोगों, वाहन चालकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा का माहौल गर्म है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2025–26 में बिहारशरीफ नगर निगम क्षेत्र में टेम्पो एवं ई–रिक्शा टोल टैक्स वसूली का ठेका लगभग 56 लाख रुपये में दिया गया था। लेकिन वर्ष 2026–27 के लिए यही ठेका मात्र 28 लाख 50 हजार रुपये में आवंटित कर दिया गया। यानी पिछले वर्ष की तुलना में लगभग आधी राशि पर टेंडर स्वीकृत किया गया। इस निर्णय ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। आम तौर पर महंगाई, बढ़ती वाहन संख्या और राजस्व वृद्धि की संभा. वनाओं को देखते हुए टेंडर राशि में बढ़ोतरी होने की उम्मीद की जाती है, लेकिन यहां इसके विपरीत ठेका राशि में भारी गिरावट दर्ज की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि शहर में टेम्पो और ई–रिक्शा की संख्या बढ़ी है तो राजस्व भी बढ़ना चाहिए था। ऐसे में टेंडर राशि में इतनी बड़ी कमी किस आधार पर की गई, यह जांच का विषय है। कई जानकारों का मानना है कि इस मामले में नगर निगम के कुछ पदाधिकारियों, कर्मचारियों तथा जनप्रतिनिधियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि पूरी सच्चाई सामने आ सके।दूसरी ओर वाहन चालकों का आरोप है कि ठेका राशि कम होने के बावजूद वसूली कर्मियों द्वारा निर्धारित दर से अधिक पैसा लिया जा रहा है। चालकों का कहना है कि निगम द्वारा निर्धारित शुल्क और मौके पर वसूले जा रहे शुल्क में बड़ा अंतर है। उनके अनुसार ई–रिक्शा से निर्धारित शुल्क 7 रुपये है, लेकिन वसूली कर्मी 10 रुपये तक वसूल रहे हैं। इसी प्रकार छोटे टेम्पो से निर्धारित 12 रुपये के बजाय 20 रुपये और बड़े टेम्पो से निर्धारित 14 रुपये के बजाय 20 रुपये तक वसूले जाने का आरोप लगाया जा रहा है। चालकों का कहना है कि यदि कोई चालक अतिरिक्त राशि देने का विरोध करता है तो उसके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। कई वाहन चालकों ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर गाली–गलौज और धमकी तक दी जाती है। उनका कहना है कि रोजाना कमाई का बड़ा हिस्सा टोल टैक्स और अन्य खर्चों में चला जाता है, जिससे परिवार का भरण–पोषण करना मुश्किल हो रहा है। सबसे अधिक शिकायत बिहारशरीफ के अस्पताल चौक स्थित टोल वसूली केंद्र को लेकर सामने आ रही है। यह स्थान जिला मुख्यालय का अत्यंत व्यस्त क्षेत्र माना जाता है, जहां से प्रतिदिन जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक समेत कई प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी गुजरते हैं। इसके बावजूद कथित रूप से निर्धारित शुल्क से अधिक वसूली होने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। वाहन चालकों का सवाल है कि जब यह गतिविधि सार्वजनिक स्थल पर खुलेआम हो रही है तो जिम्मेदार विभाग इस पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है। कुछ चालकों ने यह भी आरोप लगाया कि जब वे शिकायत लेकर थाना पहुंचते हैं तो उनकी शिकायतों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होती। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन लगातार उठ रही शिकायतों ने व्यवस्था पर सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं। नगर निगम चुनाव के दौरान भी टेम्पो और ई–रिक्शा टोल टैक्स का मुद्दा प्रमुखता से उठा था। चालकों का कहना है कि चुनाव प्रचार के दौरान मेयर प्रतिनिधि मनोज तांती द्वारा टोल टैक्स समाप्त करने का आश्वासन दिया गया था। इसी भरोसे पर बड़ी संख्या में चालकों ने समर्थन दिया था। लेकिन चुनाव के बाद न केवल टोल टैक्स जारी रहा बल्कि कथित रूप से अधिक वसूली की शिकायतें भी बढ़ती गईं। इस कारण वाहन चालकों में नाराजगी देखी जा रही है। उनका कहना है कि यदि टोल टैक्स समाप्त नहीं किया जा सकता तो कम से कम निर्धारित दरों का सख्ती से पालन कराया जाए। जानकारों के अनुसार बिहारशरीफ शहर में लगभग 15000 टेम्पो और ई–रिक्शा संचालित हैं। इतनी बड़ी संख्या में वाहनों से प्रतिदिन होने वाली वसूली को देखते हुए राजस्व का आंकड़ा काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। यही कारण है कि टेंडर राशि में आई भारी कमी को लेकर लोगों के बीच तरह–तरह की चर्चाएं चल रही हैं। समाजसेवी संजय कुमार सिन्हा ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि सरकार आर्थिक संसाधनों को मजबूत करने का प्रयास कर रही है तो नगर निगम को भी राजस्व बढ़ाने की दिशा में कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि टेंडर राशि में अचानक आई भारी गिरावट से यह संदेह उत्पन्न होता है कि कहीं न कहीं सरकार को संभावित राजस्व हानि पहुंचाई जा रही है। उन्होंने मांग की कि पूरे टेंडर प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से हस्तक्षेप करने की मांग करते हुए कहा कि यदि आवश्यक हो तो वर्तमान टेंडर को रद्द कर पुनः पारदर्शी प्रक्रिया के तहत नया टेंडर जारी किया जाए। साथ ही टोल वसूली केंद्रों पर निर्धारित शुल्क सूची सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने तथा अधिक वसूली की शिकायतों की जांच कराने की भी मांग की गई है। फिलहाल टेम्पो और ई–रिक्शा टोल टैक्स को लेकर उठे सवालों ने बिहारशरीफ नगर निगम की कार्यप्रणाली को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। अब लोगों की नजर प्रशासन और नगर निगम की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई है कि इन आरोपों की जांच कर सच्चाई सामने लाई जाती है या नहीं।

रोटरी क्लब तथागत सहेली सेंटर में प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं एवं बालिकाओं के बीच प्रमाणपत्र वितरण समारोह संपन्न

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। रोटरी क्लब तथागत द्वारा संचालित रोटरी तथागत सहेली सेंटर में सिलाई–बुनाई, कंप्यूटर एवं ब्यूटीशियन प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी बालिकाओं एवं महिलाओं के बीच प्रमाणपत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती तनुजा कुमारी उपस्थित रहीं। उनके कर–कमलों द्वारा सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। रोटरी सहेली सेंटर के सेटलर डॉ. सुजीत कुमार ने मुख्य अतिथि को बुके देकर स्वागत किए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती तनुजा कुमारी ने कहा कि रोटरी क्लब तथागत द्वारा संचालित रोटरी सहेली सेंटर महिलाओं एवं बालिकाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से महिलाएँ स्वयं रोजगार स्थापित कर अपनी आय से परिवार का भरण–पोषण करने में सक्षम बनेंगी तथा अपने परिवार एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी। उन्होंने रोटरी क्लब तथागत के इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। क्लब अध्यक्ष रो परमेश्वर महतो ने कहा कि सहेली सेंटर आज रोटरी क्लब तथागत की एक विशेष पहचान बन चुका है। यहाँ पर महिलाओं को प्रशिक्षण देकर समाज सेवा का कार्य निरंतर किया जा रहा है। रोटरी क्लब तथागत के पूर्वाध्यक्ष एवं सिलाई सेंटर के सचिव रोटेरियन डॉ. सुनील कुमार ने प्रशिक्षकों से आग्रह करते हुए कहा कि बच्चों को और बेहतर प्रशिक्षण दें, क्योंकि यही बच्चे हमारे शहर एवं रोटरी तथागत की पहचान हैं। रोटरी क्लब तथागत के मेंटर एवं पूर्वाध्यक्ष रोटेरियन डॉ. अर्विंद कुमार ने कहा कि हम सबके निरंतर प्रयास एवं सहयोग से समाज के पिछड़े वर्गों तक कौशल विकास की शिक्षा पहुँचाई जा रही है, जिससे वे अपने भविष्य का निर्माण कर सकें और समाज में अपनी अलग पहचान बना सक. ।वहीं रो अमन कुमार ने कहा कि रोटरी सहेली सेंटर अपने विद्यार्थियों के विकास हेतु निरंतर प्रयासरत है तथा इस प्रकार की सेवा गतिविधियाँ आगे भी जारी रहेंगी। प्रोजेक्ट चेयरमैन रोटेरियन अनिल सैनी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रशिक्षण कार्य के सेंटर इंचार्ज हेमलता कुमारी, सिलाई प्रशिक्षण हेतु रिंकू सिन्हा मैम, ब्यूटीशियन प्रशिक्षण हेतु मुस्कान कुमारी तथा कंप्यूटर प्रशिक्षण हेतु श्वेता कुमारी ने प्रशिक्षुओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण देकर महत्वपूर्ण भू. मिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में सेंटर इंचार्ज रोटेरियन अमित कुमार ने मुख्य अतिथि एवं उप. स्थित सभी सदस्यों, प्रशिक्षकों एवं सहयोगकर्ताओं को सफल आयोजन हेतु धन्यवाद दिया। साथ ही मुख्य अतिथि श्रीमती तनुजा कुमारी को मोमेंटो एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

पावापुरी रोड स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज (एफओबी) न होने से बढ़ीं यात्रियों की मुश्किलें, मालगाड़ी खड़ी होने से घंटों ठप रहा रास्ता

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट
बिहारशरीफ (नालंदा)। राजगीर–बख्तियारपुर रेलखंड स्थित पावापुरी रोड रेलवे स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज (उपरी पुल) नहीं होने के कारण हर दिन सैकड़ों यात्रियों को अपनी जान जोखिम में डालकर पटरी पार करनी पड़ रही है. बुधवार की सुबह स्टेशन पर उस समय अफरातफरी और आक्रोश की स्थिति बन गई, जब रेल प्रशासन ने प्लेटफॉर्म नंबर एक पर एक मालगाड़ी खड़ी करके उसे दोनों तरफ से लॉक कर दिया.इस लापरवाही के कारण यात्रियों को भारी फजीहत झेलनी पड़ी. मुख्य समस्याएं और यात्रियों की परेशानी मालगाड़ी से ब्लॉक हुआ रास्ता– बुधवार तड़के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर मालगाड़ी खड़ी होने के कारण यात्रियों का रास्ता पूरी तरह बंद हो गया। नीचे प्लेटफॉर्म की दोहरी मार पावापुरी रोड स्टेशन का प्लेटफॉर्म नंबर 2 काफी नीचा है. इस वजह से बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को ट्रेन में चढ़ने और उतरने में भारी कठिनाई होती है. सामान के साथ पूरा प्लेटफॉर्म घूमने की मजबूरी– उपरी पुल न होने से यात्रियों को भारी–भरकम सामान और बच्चों के साथ पूरे प्लेटफॉर्म का चक्कर लगाकर घूमना पड़ता है।

दूसरे प्लेटफॉर्म पर आईं ट्रेनें मालगाड़ी के खड़े रहने के कारण बुधवार को यहां रुकने वाली सभी यात्री ट्रेनों को प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर लिया गया, जिससे यात्रियों को समय पर ट्रेन पकड़ने के लिए पटरियों के बीच से दौड़ लगानी पड़ी।स्थानीय निवासियों और दैनिक यात्रियों ने रेलवे प्रबंधन के खिलाफ गहरा रोष व्यक्त किया है. लोगों का कहना है कि पावापुरी एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक और पर्यटन स्थल है, जहां देश–विदेश से भी श्रद्धालु आते हैं। इसके बावजूद रेल प्रशासन यात्रियों की बुनियादी सुविधाओं को लेकर पूरी तरह उदासीन है. एक तो स्टेशन पर पहले से फुट ओवरब्रिज नहीं है, ऊपर से बिना सोचे–समझे प्लेटफॉर्म पर मालगाड़ी खड़ी कर देने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है. यात्रियों ने पूर्व–मध्य रेलवे के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि पावापुरी रोड स्टेशन पर जल्द से जल्द फुट ओवरब्रिज का निर्माण कराया जाए और प्लेटफॉर्म नंबर 2 की ऊंचाई बढ़ाई जाए ताकि भविष्य में ऐसी परेशानी न झेलनी पड़े .

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट
बिहारशरीफ(नालंदा)। नालंदा जिला अधिवक्ता संघ की ओर से जिला एवं सत्र न्यायाधीश गुरविंदर सिंह मल्होत्रा के स्थानांतरण पर भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में अधिवक्ताओं ने उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं मंगलमय जीवन की कामना करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी। अपने लगभग 10 महीने के कार्यकाल में जिला जज गुरविंदर सिंह मल्होत्रा ने नालंदा व्यवहार न्यायालय को आधुनिक सुविधाओं एवं प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण बनाने की दिशा में कई सराहनीय कार्य किए। उनके कार्यों को लेकर अधिवक्ताओं एवं न्यायिक कर्मियों में विशेष सम्मान और अपनापन देखने को मिला। विदाई समारोह के दौरान कई अधिवक्ता भावुक नजर आए। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार ने की। इस अवसर पर उन्होंने जिला जज को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वहीं संघ के महासचिव दिनेश कुमार ने मंच संचालन किया। समारोह को संबोधित करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश गुरविंदर सिंह मल्होत्रा ने कहा कि नालंदा में मिले प्यार, सम्मान और सहयोग को वे जीवनभर नहीं भूल पाएंगे। उन्होंने कहा कि "बार और बेंच एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। न्याय व्यवस्था को मजबूत बनाने में अधिवक्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।"उन्होंने कहा कि वे हमेशा अपने न्यायिक अधिकारियों को यह निर्देश देते थे कि अधिवक्ताओं को पूरा सम्मान दिया जाए और उनके कानूनी बिंदुओं को गंभीरता से सुनते हुए न्यायसंगत आदेश पारित किए जाएं। उन्होंने कहा कि कम समय के कार्यकाल के बावजूद नालंदा जिला अधिवक्ता संघ से उन्हें जो सहयोग और स्नेह मिला, वह हमेशा स्मरणीय रहेगा। जिला जज ने यह भी कहा कि भविष्य में जब भी नालंदा के अधिवक्ताओं को उनकी आवश्यकता होगी, वे हरसंभव सहयोग के लिए तत्पर रहेंगे। गौरतलब है कि पटना उच्च न्यायालय के आदेश के बाद गुरविंदर सिंह मल्होत्रा का स्थानांतरण मधेपुरा के जिला एवं सत्र न्यायाधीश पद पर किया गया है। वहीं किशनगंज के जिला जज सुधांशु कुमार का स्थानांतरण नालंदा में किया गया है। अंत में अधिवक्ता संघ परिवार ने गुरविंदर सिंह मल्होत्रा के स्वस्थ, सुखद एवं सफल भविष्य की मंगलकामना की।

बकरीद को लेकर बिहारशरीफ में ट्रैफिक प्लान लागू, कई मार्गों पर वाहनों के परिचालन पर रोक

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट
बिहारशरीफ (नालंदा)। ईद–उल–अजहा (बकरीद) 2026 पर्व को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने को लेकर बिहारशरीफ शहर में विशेष यातायात व्यवस्था लागू की गई है। जिला प्रशासन एवं यातायात पुलिस द्वारा जारी निर्देश के अनुसार 28 मई 2026 को सुबह 5 बजे से शाम तक शहर में विशेष ट्रैफिक प्लान प्रभावी रहेगा। प्रशासन ने बताया कि बकरीद के अवसर पर शहर में भीड़भाड़ और यातायात दबाव को देखते हुए कई प्रमुख मार्गों पर बड़े एवं छोटे वाहनों के परिचालन पर प्रतिबंध लगाया गया है, जबकि वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था भी की गई है। ट्रैफिक प्लान के तहत बस, ट्रक, ट्रैक्टर, पिकअप सहित सभी बड़े व्यवसायिक एवं सवारी वाहनों का शहर में प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा खंदकपर से महलपर होते हुए मणिराम अखाड़ा तक, सोगरा कॉलेज से नदी मोड़ तक, कुमार सिनेमा तिराहा से पुलपर चौक, पोस्ट ऑफिस रोड, गांधी मैदान होते हुए भरावपर तक तथा एलिट होटल से सोहसराय चौक होते हुए मोगलकुआं तक तीनपहिया एवं चारपहिया वाहनों के परिचालन पर रोक रहेगी। कचहरी चौक से नईसराय होते हुए

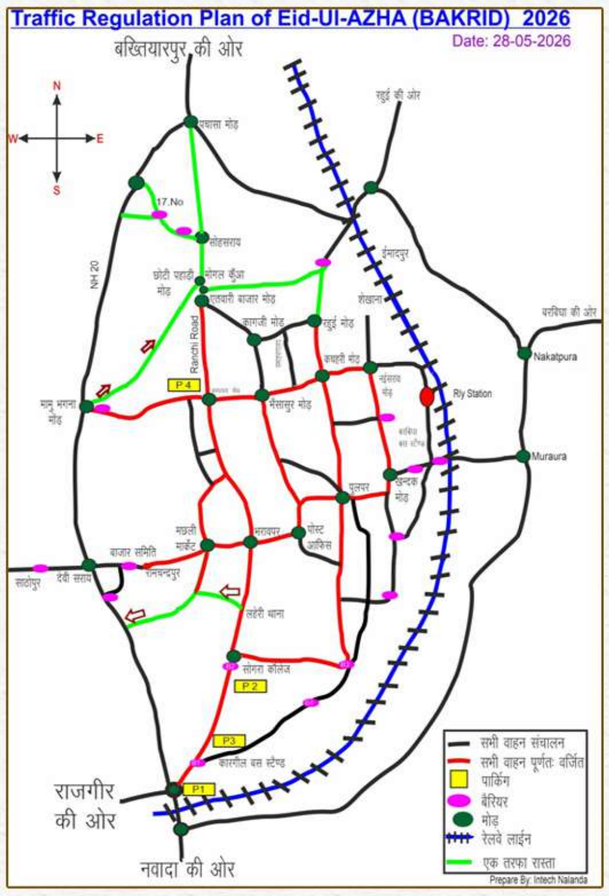

बरादरी मोड़ तक भी छोटे वाहनों के प्रवेश एवं परिचालन पर प्रतिबंध लगाया गया है।प्रशासन द्वारा छोटे वाहनों के लिए वैक. ल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। तीनपहिया, चारपहिया एवं मोटरसाइकिल वाहन मामू–भगिना मोड़, अस्पताल चौक, पचासा मोड़, रहुई हॉल्ट, शेखाना, देवीसराय, रामचंद्रपुर, मछली मंडी एवं कारगिल चौक होकर शहर में प्रवेश करेंगे। रेलवे गुमटी, खंदकपर चौक एवं कॉलेज मोड़ शिव मंदिर मार्ग से भी वाहनों की आवाजाही की अनुमति दी गई है। यातायात नियंत्रण को लेकर प्रशासन ने शहर में कई ड्रॉप गेट बनाए हैं। कारगिल बस स्टैंड के पास तीनमुहानी, सोगरा कॉलेज मोड़, बाबा मणिराम अखाड़ा तिनमुहानी एवं पीएमएस कॉलेज के समीप ड्रॉप गेट बनाए गए हैं। वहीं पार्किंग के लिए कारगिल बस स्टैंड तीनमुहानी, सोगरा कॉलेज मैदान, कारगिल बस स्टैंड तथा श्रम कल्याण मैदान को चिन्हित किया गया है। प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें तथा वैकल्पिक मार्गों का उपयोग कर प्रशासन का सहयोग करें, ताकि बकरीद पर्व शांतिपूर्ण एवं सुचारू रूप से संपन्न कराया जा सके।

बकरीद को लेकर नालंदा प्रशासन अलर्ट, शांति समिति की बैठक में सुरक्षा व्यवस्था पर मंथन

केशववाणी (नालंदा)। ईद–उल–अदहा (बकरीद) पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और भाईचारे के माहौल में संपन्न कराने को लेकर बुधवार को नालंदा समाहरणालय में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता जिला पदाधिकारी श्री कुंदन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक श्री भारत सोनी ने की। बैठक में जिले के प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ–साथ जिला शांति समिति के सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में आगामी बकरीद पर्व, जो 28 मई से 30 मई 2026 तक मनाए जाने की संभावना है, को लेकर विधि–व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, साफ–सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति तथा संवेदनशील स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पर्व के दौरान आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी कर ली जाएं। उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखते हुए पर्व मनाने की अपील की। वहीं पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने कहा कि जिले में शांति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। संवेदनशील इलाकों में विशेष चौकसी बरती जाएगी तथा सोशल मीडिया पर लगातार निगरानी रखी जाएगी, ताकि अफवाह फैलाने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।प्रशासन की ओर से जानकारी दी गई कि 28 मई से 30 मई तक नालंदा समाहरणालय में जिला नियंत्रण कक्ष 24 घंटे संचालित रहेगा। इसका टॉल–फ्री नंबर "18003456323" जारी किया गया है। नियंत्रण कक्ष में तीन पालियों में अधिकारियों और कर्मियों की तैनाती की जाएगी। इसके अलावा अनुमंडल पदा. धिकारी हिलसा एवं राजगीर अपने–अपने अनुमंडल मुख्यालय में भी नियंत्रण कक्ष संचालित करेंगे। नियंत्रण कक्ष में पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति रहेगी। यहां एक विशेष रजिस्टर संधारित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त सूचनाओं एवं उस पर की गई कार्रवाई का विवरण दर्ज किया जाएगा। प्रशासन ने नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के संवेदनशील स्थानों पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट, पुलिस पदा. धिकारी और पुलिस बल की तैनाती की है। बिहारशरीफ नगर क्षेत्र को 11 भागों में विभाजित कर वाहन गश्ती दल की भी व्यवस्था की गई है। पैदल एवं वाहन गश्ती दल लगातार अपने क्षेत्रों में निगरानी रखेंगे और किसी भी तनाव या अप्रिय घटना की सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करेंगे। गश्ती दल को सभी धार्मिक स्थलों पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया गया है। साथ ही सभी वाहनों में वायरलेस सेट की सुविधा उपलब्ध रहेगी, ताकि नियंत्रण कक्ष से लगातार संपर्क बना रहे।
प्रशासन ने किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला नियंत्रण कक्ष और लहेरी थाना नियंत्रण कक्ष में दंगा निरोधक कंपनी, वज्रवाहन, 112 नंबर वाहन तथा अग्निशामक इकाई की तैनाती करने का निर्णय लिया है। सभी पुलिस बल को हेलमेट और बॉडी प्रोटेक्टर से लैस किया जाएगा। इसके अलावा वीडियो कैमरा और हैंड माइक की व्यवस्था भी की गई है, ताकि भीड़ नियंत्रण और आवश्यक घटनाओं की वीडियोग्राफी की जा सके। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि शरारती, उग्रवादी एवं साम्प्रदायिक तत्वों पर विशेष निगरानी रखी जाए और किसी भी तरह की अफवाह या अशांति फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों को समय पर ड्यूटी स्थल पर पहुंचने और पूरी निष्ठा एवं धर्मनिरपेक्षता की भावना से कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया गया। बैठक में नगर आयुक्त, नगर निगम बिहारशरीफ, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित कई प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

BP
Shri Sai
Mob: - 7033325120
Brotherhood Properties Pvt Ltd
जमीन | मकान | दुकान | खरीद | बिक्री | निवेश | किराया
Pillar no-26, Ranchi Road Bihar Sharif Naanda 803101
अपने क्षेत्र के खबर भेजने या विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
7033325120,9931609015